

“बापदादा की प्रेरणाओं को साकार रूप देने का सुनहरा अवसर”

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति लाडले, सदा अपनी शुभ भावनाओं की सकाश द्वारा विश्व कल्याण की सेवा करने वाले, हर आत्मा को शान्ति और शक्ति की किरणें देने वाली निमित्त टीचर्स बहिनें तथा देश विदेश के सभी ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद स्वीकार करना जी।

बाद समाचार - वर्तमान समय जो विश्व के सामने कोरोना वायरस के रूप में एक विकट परिस्थिति आई है, इससे निपटने के लिए हर एक चिंतित और भयभीत है। भारत सरकार ने भी पूरे देश को कल रात्रि से ही 21 दिन के लिए “लॉक-डाउन” घोषित कर दिया है। अब हर एक को अपने-अपने घरों में ही रहना है। कोई को भी बाहर रोड पर नहीं निकलना है। यह सब सूचनायें तो आप सबने ध्यान से सुनी ही होंगी और सरकार के इन प्रयासों में पूर्ण रीति से अपना सहयोग दे रहे होंगे।

प्यारे बापदादा ने आने वाली इन परिस्थितियों में पास होने के लिए समय प्रति समय अनेक इशारे दिये हैं। बाबा हमेशा कहते आ रहे हैं बच्चे, जो आपके मन-चित्त में भी नहीं होगा, वही समस्यायें पेपर बनकर आयेंगी। सेवाओं के सब साधन बन्द हो जायेंगे। मन्सा सेवा ही काम आयेगी। तो ऐसे कोई भी अचानक के दृश्य को देखकर कभी क्यों, क्या, कैसे.. के प्रश्नों में उलझना नहीं। जैसे आग लगती है तो फायरबिग्रेड वाले प्रश्न नहीं पूछते, पहले आग बुझाने का कार्य करते हैं। ऐसे आप बच्चों को भी अब साक्षीदृष्टा की सीट पर बैठकर, नर्थांगन्यु की स्मृति से मन-बुद्धि को एकाग्र कर अपने डबल लाइट फरिश्ते स्वरूप द्वारा, टॉप की (परमधाम की) ऊंची स्थिति पर बाप के साथ बैठकर शुभ वृत्तियों के वायब्रेशन फैलाने हैं। सबको शान्ति वा शक्ति की किरणें देनी हैं। समय प्रमाण अपने मन की शक्तियों को बढ़ाने अथवा साक्षात्कार मूर्त बन बेहद सेवा करने का यह बहुत सुन्दर अवसर है, इसलिए शुभ विचार है कि

- 1) सभी भाई बहिनें 21 दिनों के लिए (14 अप्रैल तक) अपने-अपने स्थानों पर रहकर विशेष मन, मुख और मोबाइल को शान्त रख, एकाग्रता की शक्तियों को बढ़ाने का अभ्यास करें।
- 2) चेक करें - मैं आत्मा स्वराज्य अधिकारी कहाँ तक बनी हूँ? अपने मन-बुद्धि-संस्कार और सभी कर्मेन्द्रियों पर मुझ आत्मा का शासन कहाँ तक है?
- 3) आत्मा को कोई भी आकर्षण - देह की, सम्बन्धों की, पदार्थों की, संस्कारों की और प्रकृति के हलचलों की अपनी ओर आकर्षित तो नहीं करती है?
- 4) क्या सेकण्ड में अपने संकल्पों को फुलस्टॉप लगा सकते हैं? बाबा ने हम सबको हर घण्टे पांच स्वरूपों की ड्रिल करने का इशारा दिया है, तो हर एक को इस पर विशेष अटेन्शन देकर अभ्यास करना है।
- 5) सभी अपने बुद्धि की लाइन बहुत क्लीन और क्लीयर रखें, हर एक को अपनी बुद्धि ऐसी वाइसलेस बनानी है जो बापदादा के हर डायरेक्शन को कैच कर सकें।

- 6) अब विस्तार के, हृद की भावनाओं के सभी संकल्पों को समेटते हुए एक सेकण्ड में नष्टोमोहा बन, इस साकारी देह और दुनिया से पार सूक्ष्मवतन और मूलवतन की सैर करते रहें।
- 7) व्यर्थ समाचार सुनने, देखने वा वर्णन करने के बजाए कम से कम 8 घण्टा योग तपस्या में बैठकर अपने विकर्मों को दग्ध करना है। सेन्टर्स के समर्पित भाई बहिनें तथा प्रवृत्ति में रहने वाले सभी भाई बहिनें अपने-अपने स्थानों पर रहकर, अमृतवेले को और शक्तिशाली बनायें, ज्ञान मुरली सुनें व पढ़ें, सकारात्मक चिंतन करें, योग की गहन अनुभूतियां करें, ड्रामानुसार जो एकान्त का समय वा स्थान मिला है, उसका पूरा-पूरा लाभ लें। सभी प्रकार की चिंताओं से, भय से मुक्त रहें और सबको मुक्त बनायें।
- 8) विशेष तीन अव्यक्त मुरलियों पर हर एक गहन अध्ययन करके योग के विभिन्न प्रयोग करे:-
 - 1) 31-12-2010 के अव्यक्त महावाक्यों में बापदादा ने विशेष निर्विघ्न रहने का दृढ़ संकल्प कराते हुए रहमदिल बन, मन्सा द्वारा दुःखी अशान्त आत्माओं को सहारा देने का इशारा दिया है।
 - 2) 2-2-2012 के अव्यक्त महावाक्यों में बापदादा ने अनुभव की अर्थोरिटी बन ज्वालामुखी योग द्वारा सबको लाइट माइट की किरणों का सहयोग देने की बात कही है।
 - 3) 5-3-2012 के अव्यक्त महावाक्यों में विशेष अपने विश्व कल्याणी स्वरूप को प्रत्यक्ष करने तथा इस ऊंचे स्वमान में स्थित रह मन्सा सेवा बढ़ाने की प्रेरणा दी है। ऐसे भिन्न-भिन्न स्वमान लेकर, निर्भय, निश्चित स्थिति में बैठ योग अभ्यास करेंगे तो पूरे विश्व को सकाश मिलती रहेगी।

इन्हीं शुभ भावनाओं के साथ, आशा है आप सब स्वस्थ होंगे। हमारी दादी जानकी जी भी अभी अपने ग्लोबल हॉस्पिटल में हैं। प्यारे बापदादा और आप सबकी सूक्ष्म सकाश से दादी जी की तबियत भी ठीक होती जा रही है। खास दादी जी के साथ, जयन्ती बहन और हंसा बहन ने भी आप सबको बहुत-बहुत याद दी है।

ईश्वरीय सेवा में,

B. K. Ratan Mohini

(बी.के.रतनमोहनी)